>

Title: Regarding National Highway No. 92 in the country.

श्री अशोक अर्गल (भिंड): महोदय, मैं राÂष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-92 के विषय में बात रखना चाह रहा हूं।

राÂष्ट्रीय राजमार्ग संख्या भिंड से ग्वालियर, भिंड से इटावा, इसका बीओटी में निर्माण हो रहा है। इसका निर्माण डेढ़ साल से चल रहा है। जो निर्माण कंपनी है, उसने नियमों का बिल्कुल भी पालन नहीं किया है। इस सड़क ने बहुत से लोगों को बीमार कर दिया है।

महोदय, मैं सत्य बता रहा हूं कि यदि इसकी जांच करायी जाए तो लाखों लोग बीमार निकल सकते हैं। जो भी रोड बनते समय वहां से गुजरा है, उसका पूरा शरीर धूल से बिगड़ गया है। कहीं भी पानी नहीं डाला गया, वहां 48-48 घंटे रोड जाम रहा है। कहीं भी डायवर्जन ठीक से नहीं बनाये गए। वहां प्रतिदिन वाहन जाम में फंसते थे। यह स्थिति पैदा हो गयी थी।

महोदय, गरोत एक विधान सभा क्षेत्र है, वहां पर सिटी से रोड निकलती है, वहां चार लेन की रोड बनानी चाहिए, लेकिन चार लेन की रोड नहीं बनायी। महगांव में जहां रोड बनायी, वहां रोड मकानों से पांच-पांच फीट ऊंची बना दी। भिंड में आने के बाद फोर लेन नहीं बनायी। यह स्थिति है। मैं यह चाहता हूं कि जहां शहर से रोड निकल रही है, वहां चार लेन की रोड बननी चाहिए। यह रोड गारंटी के साथ बीस साल के लिए बनायी जा रही है, बीस साल तक उस ठेकेदार की गारंटी रहेगी। महोदय, बीस साल में कितना ट्रैफिक बढ़ेगा। आज भी यदि सर्वे कराया जाए, तो उस मार्ग का ट्रैफिक फोर लेन का है, लेकिन वहां फोर लेन नहीं बनायी गयी है।

महोदय, मैं केंद्र सरकार से चाहता हूं कि भिंड को, महगांव को, गरोत को, मालनपुर को, फुल्क का पूरा जो सिटी का हिस्सा है, इसे फोर लेन किया जाए। जहां रोड की ऊंचाई पांच-पांच, छह-छह फुट कर दी है, उसको सड़क के सही लेवल पर लाया जाए। जो अनियमिततायें ठेकदार द्वारा, कंपनी द्वारा हुयी हैं, उसकी जांच करायी जाए और जितनी उसने अनियमिततायें की हैं, उससे उसकी राशि वसूल की जाए।